# शकुंतला विवि में बीए, बीएससी, बीकॉम में लागू हुआ मल्टी डिसिप्लिनरी कोर्स

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

AI Image

डॉ. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में अब नए सत्र से स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत अब इस साल से वैल्यू ऐडेड कोर्स और मल्टी डिसिप्लिनरी कोर्स को स्नातक के सभी पाठ्यक्रम में अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे में अब बीए के छात्र जहां साइंस व अन्य स्ट्रीम का एक पेपर पढ़ेंगे तो साइंस व कॉमर्स वालों को आर्ट्स के पेपर पढ़ने का मौका दिया जाएगा। विवि की अकैडमिक काउंसिल की बैठक में इस पर मुहर लगा दी गई है। इसके अलावा दिव्यांगों की शिक्षा पर आधारित पीएचडी के नाम में भी बदलाव किया गए हैं।

विवि में अब स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम 20 क्रेडिट के होंगे। इसमें 12 क्रेडिट के पेपर कोर सब्जेक्ट के, जबकि आठ क्रेडिट अलग कोर्स के पेपर पढ़ने होंगे। नए बदलाव के तहत अब स्नातक लेवल प्रोग्राम में पहले सेमेस्टर के सभी छात्रों को तीन क्रेडिट के वैल्यू ऐडेड कोर्स पढ़ना होगा। इसमें पर्यावरणीय शिक्षा आधारित पाठ्यक्रम जैसे जलवायु परिवर्तन, अपशिस्ट प्रबंधन, जैव विवधता संरक्षण एवं सतत विकास में से किसी एक को अनिवार्य रूप से पढ़ना होगा। दूसरे सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को योग शिक्षा, खेल शिक्षा, डिजिटल एवं तकनीकी सल्यूशन एवं भारतीय संविधान में से किसी एक विषय को अनिवार्य रूप से चुनना होगा। इसी तरह मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स के रूप में नेचुरल ऐंड फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टेटिस्टिक्स ऐंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज ऐंड सोशल साइंस, कॉमर्स ऐंड मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इनफॉरमेशन ऐंड मीडिया साइंस में से किसी तीन को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के अंतर्गत चुनना होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने विषय से इतर विषय के बारे में जागरूकता प्रदान करना है।

## एमपीओ पाठ्यक्रम में मेरिट पर दाखिले

विवि में इस साल से ज्यादातर पाठ्यक्रम में सीयूईटी की मेरिट पर दाखिले लिए जा रहे हैं, लेकिन अकैडमिक काउंसिल में एमपीओ पाठ्यक्रम में विवि ने अपने स्तर से दाखिले लेने का निर्णय लिया है। इसमें किसी भी सेंट्रल एजेंसी की प्रवेश परीक्षा की मेरिट के बिना दाखिला दिया जाएगा। विवि में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की लास्ट क्वॉलिफाइंग एग्जाम के आधार पर मेरिट तैयार की जाएगी।

### चार विभागों को किया गया मर्ज

विवि में शिक्षा शास्त्र विभाग, दृष्टिबाधितार्थ विभाग, श्रवणबाधितार्थ विभाग एवं बौद्धिकअक्षमता विभाग को एक करते हुए विशेष शिक्षा विभाग किए जाने का निर्णय लिया गया। जबकि विशेष शिक्षा संकाय का नाम बदलकर शिक्षा संकाय कर दिया गया है। इसी तरह अब तक इनमें पीएचडी करने वालों को विभाग के नाम से पीएचडी मिलती थी। इसलिए अब पीएचडी का नॉमेनक्लेचर भी बदला गया है। अब यहां एजुकेशन संकाय में पीएचडी करने वाले को पीएचड एजुकेशन या पीएचडी स्पेशल एजुकेशन के नाम से डिग्री दी जाएगी। इसके पहले यह उपाधि दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित व बौद्धिक अक्षमता के नाम से अलग-अलग दी जाती थी।

# एसएमयू में बनाया गया अब विशेष शिक्षा विभाग

डॉ. शकुंतला विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 36वीं बैठक में निर्णय

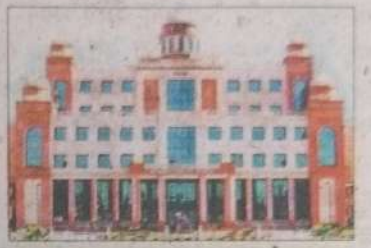

**LUCKNOW (8 JUNE):** डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में विशेष शिक्षा संकाय का नाम परिवर्तित कर शिक्षा संकाय कर दिया गया. संकायं के अंतर्गत संचालित चार विभागों शिक्षा शास्त्र विभाग, दृष्टिबाधितार्थ विभाग, श्रवणबाधितार्थ विभाग व बौद्धिकअक्षमता विभाग का पुनर्गठन कर विशेष शिक्षा विभाग कर दिया गया. यह विभाग दृष्टिबाधितार्थ, श्रवणबाधितार्थ व बौद्धिकअक्षमता में विशेषज्ञता प्रदान करेगा. विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 36वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया है.

## अब पीएचडी एजुकेशन

बिशेष शिक्षा संकाय द्वारा दी जाने वाली पीएचडी उपाधि का नाम बदलकर पीएचडी एजुकेशन- स्पेशल एजुकेशन कर दिया गया है. अभी यह उपाधि पीएचडी. स्पेशल एजुकेशन बीआइ, पीएच.डी. स्पेशल एजुकेशन एचआइ, पीएच.डी. स्पेशल एजुकेशन आइडी के नाम से प्रदान की जाती थी. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी क्रेडिट एंड करिकुलम फ्रेमवर्क अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम के अधीन विश्वविद्यालय के स्नातक रेगुलेशन-2024 के प्रविधानों के अंतर्गत एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स एवं स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के संचालन के निर्देश दिए गए.

## एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स

स्नातक स्तर पर सभी संकायों के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अंग्रेजी एवं संप्रेषण में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा. तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में हिंदी, संप्रेषण व संस्कृत, संप्रेषण में से किसी एक भाषा का एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा. इन तीनों भाषाओं में दो-दो क्रेडिट प्रति सेमेस्टर यानी कुल आठ क्रेडिट का पाठ्यक्रम स्ट्रक्चर बनाया गया है. स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम में वैल्यू ऐडेड कोर्स को समाहित करने का निर्णय लिया गया.

## करना होगा अनिवार्य

पहले सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को तीन क्रेडिट के पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रमों (जलवायु परिवर्तन, अपशिस्ट प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण एवं सतत विकास) को अनिवार्य रूप से पढ़ना होगा. दूसरे सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को योग शिक्षा, खेल शिक्षा, डिजिटल एवं तकनीकी साल्यूशन एवं भारतीय संविधान में से किसी एक विषय को अनिवार्य रूप से चुनना होगा.

# पुनर्वास विश्वविद्यालय में पीएचडी का बदला नाम

## विद्या परिषद की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

» बीएड स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रम अब 2 की जगह 4 वर्षीय होगा

**अमृत विचार:** डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में विद्या परिषद की बैठक के बाद पीएचडी उपाधि में परिवर्तन करने का फैसला लिया गया है। इसके अलावा भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा जारी दिशानिर्देश के क्रम में बीएड स्पेशल एजुकेशन द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय में सत्र 2026-27 से 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कई विभागों के नाम परिवर्तन के साथ नए पाठ्यक्रमों को शुरु करने संबंधित विद्या परिषद की 36 वीं बैठक में निर्णय किया गया। विशेष शिक्षा संकाय का नाम परिवर्तित करते हुए शिक्षा संकाय कर दिया गया है और इसके अंतर्गत संचालित चार विभागों शिक्षा शास्त्र विभाग, दृष्टिबाधितार्थ विभाग, श्रवणबाधितार्थ विभाग व बौद्धिक अक्षमता विभाग को एक करते हुए विशेष शिक्षा विभाग किए जाने का निर्णय लिया गया।

विद्यालय में विशेष शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित की जाने वाली पीएचडी उपाधि के नामकरण में भी परिवर्तन किया गया है। अब यह उपाधि पीएचडी एजुकेशन, स्पेशल एजुकेशन के नाम से प्रदान की जाएगी। इसके पूर्व यह उपाधि पीएचडी स्पेशल एजुकेशन, वीआई पीएचडी स्पेशल एजुकेशन, एचआई व पीएचडी स्पेशल के नाम से प्रदान की जाती थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी क्रेडिट एंड करिकुलम फ्रेमवर्क अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम के अधीन विश्वविद्यालय के स्नातक रेगुलेशन 2024 के प्रावधानों के अंतर्गत एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स एवं स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के संचालन हेतु निर्णय लिया गया।

### प्रति सेमेस्टर 8 क्रेडिट का ढांचा बनाया गया

स्नातक स्तर पर सभी संकायों के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा व संप्रेषण में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा। तीसरे व चौथे सेमेस्टर में हिंदी भाषा व संप्रेषण और संस्कृत भाषा, संप्रेषण में से किसी एक भाषा का एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा। इन तीनों भाषाओं में दो-दो क्रेडिट प्रति सेमेस्टर यानी कुल आठ क्रेडिट का पाठ्यक्रम स्ट्रक्चर बनाया गया है।

### वैल्यू ऐडेड कोर्स होंगे समाहित

स्नातक स्तर प्रोग्राम में वैल्यू ऐडेड कोर्स को समाहित करने का निर्णय लिया गया। पहले सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को तीन क्रेडिट के पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रमों (जलवायु परिवर्तन, अपशिस्ट प्रबंधन, जैव विवधता संरक्षण व सतत विकास) को अनिवार्य रूप से पढ़ना होगा। दूसरे सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को योग शिक्षा, खेल शिक्षा, डिजिटल एवं तकनीकी सॉल्यूशन एवं भारतीय संविधान में से किसी एक विषय को अनिवार्य रूप से चुनना होगा।

### स्नातक में एक विषय चुनना होगा अनिवार्य

स्नातक स्तर पर मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स के रूप में नेचुरल एंड फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इनफॉरमेशन एंड मीडिया साइंस में से किसी तीन को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के अंतर्गत चुनना होगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को अपने विषय से इतर विषय के बारे में जागरूकता प्रदान करना है।

### यह भी हुए फैसले

स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय अब सुबह 9.30 से रात्रि 7 बजे तक विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ-साथ ऑर्थोपेडिक हैंडिकैप्ड के श्रुति लेखन हेतु मध्य सत्र परीक्षा में 200 रुपए व सत्रांत परीक्षा में 300 रुपए प्रति पाली मानदेय दिया जाएगा। एक वर्ष के लिए रिक्त सीटों के सापेक्ष और 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक सेवानिवृत शिक्षकों को पुनर्नियुक्त किए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय में संचालित डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक पाठ्यक्रमों व पीएचडी कार्यक्रम के शोधार्थियों के साथ ही विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय एवं संस्थानों में संचालित पाठ्यक्रमों के निर्धारित शुल्क को समर्थ पोर्टल के माध्यम से जमा किए जाने का निर्णय लिया गया। एमपीओ पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय स्वयं अपनी मेरिट के आधार पर लेगा। शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु शैक्षणिक कैलेंडर को अनुमोदित किया गया।

### राष्ट्रीय पुनर्वास विवि की विद्या परिषद की बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

# स्नातक में अंग्रेजी के साथ हिंदी या संस्कृत भाषा की दक्षता अनिवार्य

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में भाषायी दक्षता को अनिवार्य कर दिया गया है। कुलपति संजय सिंह की अध्यक्षता में रविवार को विवि की विद्या परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया कि अब विद्यार्थियों को पहले व दूसरे सेमेस्टर में अंग्रेजी तथा तीसरे व चौथे सेमेस्टर में हिंदी या संस्कृत भाषा की दक्षता प्राप्त करनी होगी।

**चार वर्षीय बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स लागू**

**पीएचडी नामकरण और लाइब्रेरी समय में बदलाव**

प्रत्येक भाषा के लिए दो-दो क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं, यानी कुल आठ क्रेडिट में भाषा दक्षता की पढ़ाई करनी होगी। बैठक में मल्टीडिसीप्लिनरी कोर्स की व्यवस्था भी तय की गई। स्नातक स्तर पर मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स के रूप में नेचुरल व फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टेटिस्टिक्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस, कॉमर्स व मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इन्फॉरमेशन व मीडिया साइंस में से किसी तीन को प्रथम द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर के अंतर्गत चुनना होगा।

**वैल्यू ऐडेड कोर्स भी होंगे अनिवार्य :** स्नातक छात्रों को पहले सेमेस्टर में पर्यावरणीय शिक्षा (जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, अपशिष्ट प्रबंधन आदि) पढ़ना अनिवार्य होगा। वहीं दूसरे सेमेस्टर में योग, खेल, डिजिटल समाधान या भारतीय संविधान में से एक विषय चुनना होगा। सभी कोर्स तीन क्रेडिट के होंगे।

- **शिक्षा संकाय का पुनर्गठन, पीएचडी व बीएड पाठ्यक्रम में बदलाव :** विशेष शिक्षा संकाय का नाम अब 'शिक्षा संकाय' होगा और सभी संबंधित विभागों को 'विशेष शिक्षा विभाग' में समाहित कर दिया गया है। पीएचडी उपाधियों का नाम अब 'पीएचडी इन एजुकेशन एंड स्पेशल एजुकेशन' होगा। साथ ही बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स 2026-27 से चार वर्षीय कर दिया गया है। विवि की स्वामी विवेकानंद केंद्रीय लाइब्रेरी अब सुबह 9:30 से शाम 7 बजे तक खुलेगी।
- **दिव्यांग छात्रों को परीक्षा में सहूलियत :** दृष्टिबाधित व ऑर्थोपेडिक हैंडिकैप्ड विद्यार्थियों के लिए श्रुति लेखकों को मध्य सत्र परीक्षा में 200 रुपये और सत्रांत परीक्षा में 300 रुपये प्रति पाली के हिसाब से भुगतान किया जाएगा।

## केजीएमयू में जल्द शुरू होंगे पीएचडी दाखिले, विभागाध्यक्षों से मांगा गया सीटों का ब्योरा

**लखनऊ।** प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान केजीएमयू से पीएचडी करने की सोच रहे विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। केजीएमयू में पीएचडी की सीट के लिए सभी विभागों से जानकारी मांगी गई है। जल्द ही दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा होगी।

केजीएमयू की डीन प्रो. अमिता जैन की ओर से जारी आदेश में विभाग के कुल पी ए च डी विद्यार्थियों के साथ ही शिक्षकों के अधीन शोध कर रहे शोधार्थियों का ब्योरा भी मांगा गया है। साथ ही विभाग में चल रहे प्रोजेक्ट की जानकारी भी देने को कहा गया है।

संस्थान में इसी साल से नए ऑर्डिनेंस के अनुसार दाखिले होने हैं। इसमें प्रोफेसर के अधीन एक समय में अधिकतम आठ, एसोसिएट प्रोफेसर के अधीन छह और असिस्टेंट प्रोफेसर के अधीन अधिकतम चार शोधार्थी शोध कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा और उसमें न्यूनतम 50 फीसदी अंक लाने की अनिवार्यता भी है। केजीएमयू से मेडिकल के साथ ही विज्ञान की कई अन्य शाखाओं में भी शोध किया जा सकता है। (माई सिटी रिपोर्टर)

# पुनर्वास विवि: स्नातक में अंग्रेजी हिन्दी व संस्कृत की पढ़ाई अनिवार्य

**लखनऊ, संवाददाता।** डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए। कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई बोर्ड आफ स्टडी की 36वीं बैठक में तय किया गया कि स्नातक पहले व दूसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा और कम्युनिकेशन में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, तीसरे व चौथे सेमेस्टर में हिन्दी भाषा, संस्कृत भाषा में से किसी एक का एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना अनिवार्य होगा। तीनों भाषाओं में दो-दो क्रेडिट प्रति सेमेस्टर यानी कुल 8 क्रेडिट पाठ्यक्रम ढांचा बनाया गया है। स्नातक में वैल्यू ऐडेड कोर्स भी जुड़ेंगे।

विवि के प्रवक्ता डॉ. यशवंत वीरोदय ने बताया कि अब दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ ऑर्थोपेडिक हैंडिकैप्ड को भी श्रुतिलेखन के लिए मानदेय दिया जाएगा। दो वर्षीय बीएड स्पेशल एजुकेशन पाठ्यक्रम को सत्र 2026-27 से चार वर्षीय होगा। वहीं सेवानिवृत्ति शिक्षक रिक्त पदों पर अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक दोबारा नियुक्त हो सकेंगे।

**36** वीं बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक कुलपति की अध्यक्षता में हुई

## कई कोर्सों को जोड़ा

स्नातक में इतर विषय के बारे में जागरूक करने के लिए कई कोर्सों को जोड़ा गया है। पहले, दूसरे और तीसरे सेमेस्टर में नेचुरल एंड फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इनफॉरमेशन एंड मीडिया साइंस में से किसी तीन को चुनना होगा। स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय नियमावली में निर्णय हुआ कि पुस्तकालय साढ़े नौ से शाम सात बजे तक खुलेगा।

## बोर्ड आफ स्टडी की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

1. विशेष शिक्षा संकाय का नाम बदलकर शिक्षा संकाय कर दिया गया। इसके तहत संचालित शिक्षा शास्त्र, दृष्टिबाधितार्थ, श्रवणबाधितार्थ व बौद्धिक अक्षमता चारों विभागों को एक नाम विशेष शिक्षा विभाग दिया गया।
2. विशेष शिक्षा संकाय के तहत संचालित पीएचडी उपाधि को अब पीएचडी एजुकेशन-स्पेशल एजुकेशन के नाम से देंगे
3. एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड, मल्टी डिसीप्लिनरी, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स संचालित होंगे
4. स्नातक स्तर पर पहले और दूसरे सेमेस्टर में अंग्रेजी भाषा व कम्युनिकेशन में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, तीसरे और चौथे सेमेस्टर में हिंदी भाषा व कम्युनिकेशन, संस्कृत भाषा और कम्युनिकेशन में से किसी एक भाषा का एबिलिटी एन्हांसमेंट जरूरी

# शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विवि की विद्या परिषद की बैठक में लिए गये कई निर्णय

**लखनऊ (एसएनबी)।** डा. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद एकेडमिक काउसिल की 36 वीं बैठक रविवार को विवि के सभागार में हुई। इस बैठक में प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग सुभाष चन्द्र शर्मा की मौजूदगी में छात्रों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये जिसमें विशेष शिक्षा संकाय का नामकरण एवं उसके अन्तर्गत संचालित विभागों का पुनर्गठन किये गये है जिसके अन्तर्गत विशेष शिक्षा संकाय का नाम परिवर्तित करते हुए विशेष शिक्षा संकाय कर दिया गया और विशेष शिक्षा विभागो शिक्षाशास्त्र विभाग दृष्टिबाधितार्थ विभाग, श्रवणबाधितार्थ विभाग एवं बौद्धिक अक्षमता विभाग को एक करते हुए विशेष शिक्षा विभाग किये जाने का निर्णय लिया गया। अब इस विभाग को विशेष शिक्षा विभाग के नाम से जाना जाएगा एवं दृष्टिबाधितार्थ श्रवणबाधितार्थ एवं बौद्धिक अक्षमता में यह विभाग विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

**बैठक में कई शिक्षा संकायों का नाम हुआ परिवर्तित, अब नये नाम से जाने जाएंगे विभाग**

बैठक में विवि में विशेष शिक्षा संकाय के अन्तर्गत संचालित की जाने वाली पीएचडी उपाधि के नामकरण में परिवर्तन कर अब यह उपाधि पीएचडी एजुकेशन-स्पेशनल एजुकेशन के नाम पर प्रदान की जाएगी। विवि अनुदान आयोग नयी दिल्ली द्वारा जारी क्रेडिट एंड करिकुलम फ्रेमवर्क अंडरग्रेज्युएट प्रोग्राम के अधीन विवि के स्नातक रेगुलेशन 2012 के प्रावधानों के तहत एबिलिटी एन्हासमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, मल्टी डिसीप्लीनरी कोर्स एवं स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के संचालन के लिए निर्देश प्रदान किये गये।

इसके साथ ही स्नातक स्तर पर सभी संकायो के प्रथम द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा व संप्रेषण में एबलिटी एन्हासमेंट कोर्स करना होगा। हिन्दी भाषा एवं संप्रेषण एवं संस्कृत भाषा एवं संप्रेषण भाषा में एक भाषा का एबिलटी एन्हासमेंट कोर्स करना होगा। बैठक में विवि में संचालित डिप्लोमा परास्नातकल स्नातक पाठयक्रमो एवं पीएचडी कार्यक्रम में शोधार्थियों के साथ ही विवि से सबंद्ध महाविद्यालयों एवं संस्थानो में संचालित पाठ्यक्रमों के निर्धारित शुल्क को समर्थन पोर्टल के माध्यम से जमा करने, एमपीओ पाठ्यक्रम में प्रवेश विवि स्वयं अपनी मैरिट के आधार पर लेने, विवि में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शैक्षणिक कलेण्डर को अनमोदित किया गया।

बैठक में अधिष्ठाता शैक्षणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, परीक्षा नियत्रंक डा. अमित कुमार राय, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, अष्ठिाता शोध एवं विकास प्रो. अश्वनी दुबे समेत सभी संकायो के अधिष्ठाता मौजूद थे।

# चार विभागों का पुनर्गठन कर बनाया विशेष शिक्षा विभाग

## डा. शकुंतला विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक में निर्णय

जागरण संवाददाता • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में विशेष शिक्षा संकाय का नाम परिवर्तित कर शिक्षा संकाय कर दिया गया। संकाय के अंतर्गत संचालित चार विभागों शिक्षा शास्त्र विभाग, दृष्टिबाधितार्थ विभाग, श्रवणबाधितार्थ विभाग व बौद्धिकअक्षमता विभाग का पुनर्गठन कर विशेष शिक्षा विभाग कर दिया गया। यह विभाग दृष्टिबाधितार्थ, श्रवणबाधितार्थ व बौद्धिकअक्षमता में विशेषज्ञता प्रदान करेगा। विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की 36वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

विशेष शिक्षा संकाय द्वारा दी जाने वाली पीएच.डी. उपाधि का नाम बदलकर पीएच.डी. एजुकेशन-स्पेशल एजुकेशन कर दिया गया है। अभी यह उपाधि पीएच.डी. स्पेशल एजुकेशन वीआइ, पीएच.डी. स्पेशल एजुकेशन एचआद, पीएच.डी. स्पेशल एजुकेशन आइडी के नाम से प्रदान की जाती थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी क्रेडिट एंड करिकुलम फ्रेमवर्क अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम के अधीन विश्वविद्यालय के स्नातक रेगुलेशन-2024 के प्रविधानों के अंतर्गत एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्स, मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स एवं स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के संचालन के निर्देश दिए गए। स्नातक स्तर पर सभी संकायों के प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अंग्रेजी एवं संप्रेषण में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा। तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में हिंदी, संप्रेषण व संस्कृत, संप्रेषण में से किसी एक भाषा का एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा। इन तीनों भाषाओं में दो-दो

क्रेडिट प्रति सेमेस्टर यानी कुल आठ क्रेडिट का पाठ्यक्रम स्ट्रक्चर बनाया गया है। स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम में वैल्यू ऐडेड कोर्स को समाहित करने का निर्णय लिया गया। पहले सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को तीन क्रेडिट के पर्यावरणीय शिक्षा पाठ्यक्रमों को अनिवार्य रूप से पढ़ना होगा। दूसरे सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को योग शिक्षा, खेल शिक्षा, डिजिटल एवं तकनीकी साल्यूशन एवं भारतीय संविधान में से किसी एक विषय को अनिवार्य रूप से चुनना होगा। स्नातक स्तर पर मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स के रूप में नेचुरल एंड फिजिकल साइंस, मैथमेटिक्स स्टेटिस्टिक्स एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, कामर्स एंड मैनेजमेंट, लाइब्रेरी इनफारमेशन एंड मीडिया साइंस में से किसी तीन को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के अंतर्गत चुनना होगा। बीएड स्पेशल एजुकेशन द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को सत्र 2026-27 से चार वर्षीय पाठ्यक्रम के रूप में परिवर्तित किया गया। बैठक की अध्यक्षता कुलपति आचार्य संजय सिंह ने की। इस अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रमुख सचिव सुभाष चंद शर्मा, अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय, कुलानुशासक प्रो. सीके दीक्षित, अधिष्ठाता शोध एवं विकास प्रो. अश्वनी दुबे उपस्थित रहे।

### ये भी लिए गए निर्णय

- स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय नियमावली-2025 को अनुमोदन प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत समावेशी विजन मिशन एवं दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखकर स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में कोई भी व्यवस्था लागू की जाएगी।
- अब केंद्रीय पुस्तकालय सुबह 9:30 बजे से शाम सात बजे तक विद्यार्थियों, अध्यापकों व कर्मचारियों के लिए खुला रहेगा।
- पुस्तकालय स्मार्ट आइडी कार्ड तैयार करेगा, जो आरएफआइडी सिस्टम में दस्तावेजों के स्व जारी-वापसी के लिए सभी पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए आवश्यक होगा। इसे विश्वविद्यालय के आइडी कार्ड के रूप में मान्यता दी जाएगी।
- दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ-साथ आर्थोपेडिक हैंडिकैप्ड (जिनके हाथ में दिक्कत है) उनके श्रुति लेखन हेतु मध्य सत्र परीक्षा में 200 रुपये व सत्रांत परीक्षा में 300 रुपये प्रति पाली मानदेय के रूप में भुगतान किए जाएंगे।
- यदि मध्य सत्र परीक्षा व सत्रांत परीक्षा एक साथ होती है तो श्रुति लेखक को 300 रुपये मानदेय दिया जाएगा।
- विश्वविद्यालय या अन्य विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यापक को एक वर्ष के लिए रिक्त सीटों के सापेक्ष व 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक पुनर्नियुक्ति दी जा सकेगी।
- पाठ्यक्रमों के शुल्क को समर्थ पोर्टल के माध्यम से जमा कराया जाएगा।

करने वाली विभूतियों को मुख्य अतिथि व ललिता पाण्डे आदि रहीं।

# पुनर्वास विश्वविद्यालय में विद्या परिषद की बैठक में हुये कई निर्णय

लखनऊ। डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में विद्या परिषद 'एकेडमिक काउंसिल' की 36वीं बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विशेष शिक्षा संकाय का नामकरण एवं उसके अंतर्गत संचालित विभागों का पुनर्गठन किया गया। इसके अंतर्गत 'विशेष शिक्षा संकाय' का नाम परिवर्तित करते हुए 'शिक्षा संकाय' कर दिया गया और विशेष शिक्षा संकाय के अंतर्गत संचालित चार विभागों 'शिक्षा शास्त्र विभाग, दृष्टिबाधितार्थ विभाग, श्रवणबाधितार्थ विभाग एवं बौद्धिकअक्षमता विभाग' को एक करते हुए 'विशेष शिक्षा विभाग' किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा पी-एच.डी उपाधि के नामकरण में परिवर्तन किया गया अब यह उपाधि 'पी-एच.डी. एजुकेशन. स्पेशल एजुकेशन' के नाम से प्रदान की जाएगी। अन्य निर्णयों में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा जारी 'क्रेडिट एंड करिकुलम फ्रेमवर्क अंडरग्रैजुएट प्रोग्राम' के अधीन विश्वविद्यालय के 'स्नातक रेगुलेशन 2024' के प्रावधानों के अंतर्गत एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू एडेड कोर्सए मल्टी डिसीप्लिनरी कोर्स एवं स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के संचालन हेतु निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही स्नातक स्तर पर सभी संकायों के प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा एवं संप्रेषण में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा। तीसरे एवं चौथे सेमेस्टर में हिंदी भाषा एवं संप्रेषण एवं संस्कृत भाषा एवं संप्रेषण में से किसी एक भाषा का एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स करना होगा। इन तीनों भाषाओं में दो.दो क्रेडिट प्रति सेमेस्टर यानी कुल आठ क्रेडिट का पाठ्यक्रम स्ट्रक्चर बनाया गया है। इसके अलावा बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये।

इस बैठक में प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग सुभाष चंद शर्मा, अधिष्ठाता शैक्षिणिक प्रो. वीके सिह, कुलसचिव रोहित सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ अमित कुमार राय कुलानुशासक प्रो सीके दीक्षित, अधिष्ठाता शोध एवं विकास प्रो अश्वनी दुबे के साथ ही समस्त संकायों के अधिष्ठाता एवं समस्त विभागों के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

# SMNRU extends BEd special education course to four years

**HT Correspondent**
letters@htlive.com

**LUCKNOW:** The two-year BEd special education course at Dr Shakuntala Mishra National Rehabilitation University, Lucknow has been extended to a 4-year course from 2026-27 academic session.

The decision was taken following guidelines issued by Rehabilitation Council of India, New Delhi, at the academic council meeting held under the chairmanship of the vice-chancellor Acharya Sanjay Singh of the University here on Sunday.

Also, the faculty of special education of the university has been renamed as faculty of education and it was decided to merge four departments operating under the faculty of special education, department of education, department for the visually handicapped, department for the hearing handicapped and department of intellectual disability, into a department of education.

THE DECISION WAS TAKEN FOLLOWING GUIDELINES ISSUED BY REHABILITATION COUNCIL OF INDIA

The restructured department of education will now offer specialisations in visual impairment, hearing impairment, and intellectual disability. The decision to rename the faculty was made in accordance with University Grants Commission (UGC) regulations, which do not recognise a separate faculty of special education, the university spokesperson said.

The nomenclature of the PhD degree conducted under the faculty of special education has also been revised. Going forward, the degree will be awarded as PhD education- special education. Previously, it was conferred under separate titles such as PhD special education (visually impaired), PhD special education (hearing impaired), and PhD special education id (intellectual disability).

Instructions were also issued for the implementation of ability enhancement courses, value added courses, multidisciplinary courses, and skill enhancement courses in accordance with the provisions of the University's Graduation Regulation 2024. These guidelines align with the credit and curriculum framework for undergraduate programs issued by the University Grants Commission (UGC), New Delhi.

At the undergraduate level, students across all faculties will be required to take an ability enhancement course in English language and communication during the first and second semesters. In the third and fourth semesters, they must choose an ability enhancement course in either Hindi language and communication or Sanskrit language and communication.

{ REHAB UNIVERSITY'S INITIATIVE }

# Navigating by scent: Flower power to guide visually impaired students

**HT Correspondent**
letters@htlive.com

**LUCKNOW:** Visually impaired students at Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University in Lucknow will now navigate their campus using a unique "Sugandh Path" (fragrance path). This innovative initiative involves planting aromatic plants and flowers along corridors and near key academic buildings, allowing students to identify locations by their distinct fragrances.

The university conceived this project to enhance the mobility and independence of its visually impaired students, who often face challenges in locating specific departments, the library, and academic blocks.

"This innovative experiment will on one hand increase the sense of companionship with nature among the students and on the other hand will also create the confidence of free movement," said vice chancellor Acharya Sanjay Singh. He inaugurated the "Sugandh Path" on World Environment Day.

The aromatic plants and flowers will be unique for every department, library and academic block, helping visually impaired students identify key sites on the university campus, an official said.

Aromatic plant sapling being planted by vice chancellor Acharya Sanjay Singh. SOURCED

In the first phase, aromatic plants are being planted along the route connecting the hostel trisection to academic building 1, campus development chairman Prof Avnish Chandra Mishra said.

The campus development chairman explained that the first phase focuses on planting near six major buildings, the office, and the library, as well as along connecting pathways.

Specific fragrances will mark key buildings: Arabian Jasmine (Bela) near the library, Jasmine (Chameli) at the Engineering Bhavan, Gandharaj (Gardenia jasminoides) at academic building 1, Madhukamini at academic building 2, Manokamini at the administrative building, and Harsingar near the bank.

The university plans to extend the "Sugandh Path" to include other buildings in the second phase of the project.

A university spokesperson said this large-scale planting of fragrant flowers aims to help visually impaired students understand the layout of the campus by associating scents with specific.

"This is an excellent initiative by the university," remarked a visually impaired student.

"With this, we will be able to identify the main buildings of the university on the basis of fragrance and will be able to make the journey easier," the student added.

**NOSE FOR INNOVATION**

Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University is planting different fragrant plants along the corridors and near key buildings. Each major location will have a unique scent associated with it, allowing visually impaired students to locate their destinations by smell.

**Key aromatic plants and their associated areas**

**ARABIAN JASMINE (BELA):** University Library
**ASMINE (CHAMELI):** Engineering Bhavan
**GANDHARAJ (GARDENIA JASMINOIDES):** Academic block 1
**MADHUKAMINI:** Academic building 2
**MANOKAMINI:** : Administrative building
**HARSINGAR (NIGHT JASMINE):** Near the bank